भविष्य में पब्लिक पॉलिसी, प्रबंधन व प्रशासन के क्षेत्र में काम करनेवाले विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

मन की बात कार्यक्रम पर शोध करेगा आइआइएम

- अगले एक माह तक कार्यक्रम के 100 विषयों का तैयार किया जायेगा आर्काइव

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आइआइएम रांची प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम के 100 एपिसोड पर शोध करेगा. निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने शुक्रवार को शोध विषय पर अपने विचार साझा किये. उन्होंने बताया कि देश के प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के जरिये संवाद स्थापित किया है. मन की बात कार्यक्रम के जरिये समाज की 100 प्रमुख चुनौतियां और उनके हल सामने रखे गये हैं. इन सभी विषयों के दस्तावेजीकरण कर इनके आयामों पर विश्लेषण व अध्ययन किया जायेगा. शोध कार्य के लिए प्राध्यापकों की टीम तैयार की गयी है. संस्था के प्रो सुभ्रो सरकार, शिवांगी सिंह और पूजा सेनगुप्ता मिलकर अगले माह तक शोध कार्य पूरा करेंगे. इसके तहत विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विषयों का अध्ययन कर चुनौतियों के निष्कर्ष निकाले जायेंगे. इससे आमलोगों के साथ-साथ पॉलिसी मेकर के बीच परस्पर संबंध स्थापित किया जा सकेगा. शोध के क्रम में सभी एपिसोड के वीडियो का थीम आधारित आर्काइव तैयार किया जायेगा. इस शोध का लाभ वैसे विद्यार्थी को मिलेगा, जो भविष्य में पब्लिक पॉलिसी, प्रबंधन और प्रशासन के क्षेत्र में काम करना चाहते हैं. साथ ही संस्था के शोध को केंद्र व राज्य सरकार के साथ साझा किया जायेगा. इससे नीतियां तैयार करने में सुविधा होगी. इस अवसर पर प्रो सौम्य शेखर, गौरव मराठे, तनुश्री दत्ता, अमोल जादव, प्रो प्रशंजीत, डॉ जयंत त्रिपाठी आदि थे.

प्रेस वार्ता में जानकारी देते निदेशक व अन्य.

एक मई से शुरू होगा ह्यूमन कनेक्ट कम्युनिटी सर्कल

संस्था की ओर से बीते चार माह तक छात्रों के बीच ह्यूमन कनेक्ट कार्यक्रम संचालित किया गया. इससे विद्यार्थियों में मानसिक और भावनात्मक लगाव के साथ-साथ आध्यात्मिक जुड़ाव स्थापित करना आसान रहा. अब इस कार्यक्रम को आम लोगों के लिए एक मई से शुरू किया जायेगा. प्रो गौरव मराठे ने बताया कि ह्यूमन कनेक्ट कम्युनिटी सर्कल समाज के लोगों में सकारात्मक ऊर्जा और खुश रहने की पहल करेगा. यह कार्यक्रम प्रत्येक माह की पहली तारीख को डेढ़ घंटे के लिए आयोजित होगा. कार्यक्रम के दौरान ड्रम सर्कल, डांस सर्कल व ह्यूमन लाइब्रेरी जैसे कार्यक्रम होंगे.

Prabhat Khabar_29.04.2023_Pg. 06